200 करोड़ के कर्ज में डूबी एक की होगी नीलामी, तो दूसरे को चलाएगी विदेशी कंपनी

महाराष्ट्र की चीनी कंपनियों की हालत खराब

सूरतेहाल

- एस. के. नाथ शूगर्स एवं एग्रो कंपनी पर सिंडिकेट बैंक का 199.25 करोड़ रुपये तथा ब्याज बकाया है
- बैंक ने कंपनी के एमडी विक्रम सिंह के कई होटलों तथा 33 अन्य संपत्तियों की नीलामी की तैयारी शुरू की है
- कोल्हापुर में इंदिरा महिला सहकारी चीनी कारखाना में विदेशी निवेश प्रस्ताव को सरकार ने इसी हफ्ते मंजूरी दे दी है

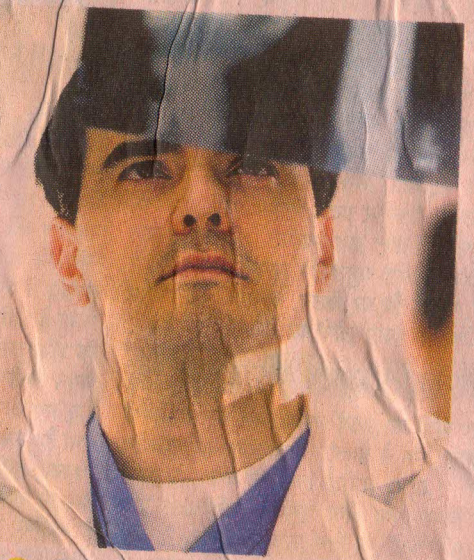

बिजनेस भास्कर • मुंबई

चीनी उत्पादन में अग्रणी महाराष्ट्र में चीनी मिलों की हालात खराब नजर आ रही है। खबर है कि यहां पर एक अग्रणी चीनी कंपनी एस.के. नाथ शूगर्स जहां 200 करोड़ रुपये के कर्ज के भुगतान में असफल होने के कारण नीलाम हो रही है वहीं दूसरी ओर एक अन्य कंपनी को विदेशी कंपनी चलाने की तैयारी कर रही है।

सिंडिकेट बैंक से मिली जानकारी के अनुसार एस.के. नाथ शूगर्स एवं एग्रो कंपनी के ऊपर उसका 199.25 करोड़ रुपये तथा ब्याज बकाया है। बार -बार नोटिस देने के बाद भी कंपनी ने इन कर्जों का भुगतान नहीं किया है। इस कारण सिंडिकेट बैंक ने कंपनी और उसके प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह के कई होटलों तथा 33 अन्य संपत्तियों की नीलामी की तैयारी शुरू की है। यह नीलामी 31 दिसंबर को की जाएगी।

इसी तरह कोल्हापुर में स्थित एक बीमार चीनी कारखाना को खरीदने की विदेशी कंपनी की तरफ से तैयारी हो रही है। राज्य सरकार के सूत्रों के मुताबिक कोल्हापुर में इंदिरा महिला सहकारी चीनी कारखाना में विदेशी निवेश प्रस्ताव को सरकार ने इसी हफ्ते मंजूरी दे दी है। इस कारखाना की प्रतिदिन की क्षमता 2500 मैट्रिक टन है और निदेशक मंडल के घोटाले के कारण इस पर 74.64 करोड़ रुपये की उधारी बकाया है। इस घोटाले के बाद सहकार विभाग ने हस्तक्षेप करके इस कारखाना को चलाने के लिए गोदावरी शूगर्स को दिया था। फिर भी जब कोई परिणाम नहीं निकला तो इसके लिए निविदा मंगाई गई थी। इस निविदा में ब्रिटेन की ईडीएफ कंपनी ने दिल्ली की शिंभौली शूगर्स के साथ भागीदारी करके यूनीगोल्ड कंपनी की स्थापना की है और इसे चलाने का निर्णय लिया है। इस कंपनी पर बकाया राशि 57 करोड़ रुपये को 15 साल में वापस करने का करार किया गया है। जबकि बाकी के 17 करोड़ रुपये के लिए सरकार कंपनी को और पांच साल का समय दे सकती है।

दरअसल महाराष्ट्र में पिछले कुछ समय से चीनी मिलों की हालत काफी खराब है। इस कारण हाल के दिनों मे कई चीनी मिलों ने अपने कामकाज बंद कर दिए हैं। अधिकतर कंपनियों पर भारी भरकम कर्ज बकाये के कारण उनको आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पर ब्रिटेन की कंपनी द्वारा दिलचस्पी दिखाए जाने के कारण अब यहां कंपनियों को कुछ आस जगी है।

Business Baskets
23-11-13